

पाठ—20 यक्ष प्रश्न

अंततः युधिष्ठिर भी उस विषैले तालाब के पास पहुँचे और पानी पीने का प्रयास करने लगे ।

युधिष्ठिर ने भी वही आवाज सुनी और वह रुक गए तभी वहाँ उन्होंने अपने चारों मृत भाइयों को देखा ।

युधिष्ठिर ने स्वये को जल पीने से रोका और यक्ष के द्वारा पूछे गए प्रश्नों को ध्यान से सुना ।

यक्ष ने कुछ प्रश्न युधिष्ठिर से किए जिनका युधिष्ठिर ने यक्ष को संतोषजनक उत्तर दिया ।

जैसे प्र. मनुष्य का साथ कौन देता है?

उ. धैर्य

प्र. आकाश से भी ऊँचा कौन है?

उ. पिता

प्र. किसके छूट जाने पर मनुष्य सर्वप्रिय बनता

उ. अहंभाव के

युधिष्ठिर से संतोषजनक उत्तर प्राप्त करने के पश्चात परिणामतः चारों पांडव भी जीवित हो गए ।

धर्मदेव अर्थात् यक्ष ने सभी पांडवों को प्रतिज्ञा सफलता की पूर्ति का आशीर्वाद दिया ।

अर्जुन की सलाह पर वनवास का तेरहवाँ वर्ष अज्ञातवास के रूप में मत्स्य राज विराट के यहाँ रहकर पूरा करने का विचार बनाया ।

युधिष्ठिर ने भी इस पर सहमति दे दी और
मत्स्याधिपति को शक्ति संपन्न होने के साथ
दृढ़ प्रतिज्ञ रखने वाला व्यक्तित्व भी कहा है ।